www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 44 || लखनऊ
गुरुवार
14 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:19
सूर्यास्तः 06:46
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 03

विशेष समाचार वैश्विक संकटों के दौर में परिवार... >> पेज 02 | नीट पेपर लीक पर आप छात्र विंग... >> पेज 04 | कांस-2026 शुरू, आलिया ओपनिंग...

38 की उम्र में थम गई प्रतीक यादव की सांसें

अस्पताल पहुंचने से पहले ही सांसें थमीं, फेफड़े में खून का थक्का जमने से कार्डिएक अरेस्ट आया

निधन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय के मुताबिक, जब प्रतीक को लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह डाउन थी। हार्ट भी रुक चुका था।

लखनऊ मेडिकल कॉलेज में प्रतीक यादव के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि कार्डिएक अरेस्ट से प्रतीक की मौत हुई है। विसरा रिपोर्ट के बाद और चीजें स्पष्ट होंगी। प्रतीक का शव घर लाया गया है। अंतिम संस्कार कल, गुरुवार को लखनऊ में दोपहर 12:30 बजे पिपरा घाट पर होगा। इससे पहले, अखिलेश यादव भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। छोटे भाई का शव देखा। प्रतीक के ड्राइवर को बुलाकर अंदर बातचीत की। बाहर आकर कहा- यह दुखद है कि वे आज हमारे बीच नहीं हैं। परिवार के लोग जो कहेंगे, हम मानेंगे। शाम को अखिलेश ने प्रतीक को श्रद्धांजलि दी। वे काफी भावुक नजर आए।

शरीर पर मिले सभी चोट के निशान मौत से पहले के बताए गए हैं। डॉक्टरों के अनुसार, पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म ऐसी गंभीर स्थिति है, जिसमें खून के थक्के फेफड़ों की नसों को ब्लॉक कर देते हैं। इससे सांस लेने और शरीर में खून का प्रवाह बुरी तरह प्रभावित होता है।

इससे पहले, 30 अप्रैल को प्रतीक को गंभीर हालत में लखनऊ के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 3 दिन बाद उन्हें थोड़ा आराम मिला। इसके बाद वे बिना छुट्टी के घर चले गए थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे सीएम योगी। - फोटो

- अखिलेश ने अपने छोटे भाई प्रतीक को श्रद्धांजलि दी। सपा प्रमुख भावुक नजर आए।
- अपर्णा यादव ने अपनी दोनों बेटियों की सीएम योगी से मुलाकात कराई। वे योगी को बाहर तक छोड़ने भी आईं।
- सपा प्रमुख अखिलेश यादव पोस्टमॉर्टम हाउस भी पहुंचे थे। वे सीधे डॉक्टर्स के चेंबर में गए।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कार्डिएक अरेस्ट का खुलासा

लखनऊ मेडिकल कॉलेज ने प्रतीक यादव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट जारी की है। डॉक्टरों के मुताबिक, फेफड़ों में बड़ी मात्रा में खून के थक्के जम गए थे। इसी वजह से हार्ट और फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे मौत हुई। हार्ट और फेफड़ों से मिले खून के थक्कों के नमूनों को आगे जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। शरीर के अंदरूनी अंगों को भी केमिकल जांच के लिए प्रीजर्व किया गया है। इस बीच, प्रतीक की पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव भी असम से लखनऊ लौट आई हैं। वो एयरपोर्ट से सीधे अपने घर पहुंचीं।

> संभल से सपा सांसद जियाऊररहमान बर्क ने कहा कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक प्रतीक यादव की मौत फेफड़ों में इंफेक्शन की वजह से हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरी सच्चाई सामने आएगी। प्रतीक यादव के आवास पर पहुंच गए हैं।

अपर्णा यादव के पति प्रतीक की जब मौत हुई, वह असम में थीं। लखनऊ लौटीं तो बेटियों से लिपटकर रोने लगीं। प्रतीक की बॉडी के पास पहुंचीं तो एकटक चेहरा निहारती रहीं।

ब्रिटेन से पढ़ाई की, राजनीति से दूर थे

- प्रतीक ने ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की थी। वे राजनीति से दूर थे। उनका रियल एस्टेट और फिटनेस का बिजनेस था। प्रतीक ने अपर्णा यादव से 14 साल पहले लव-मैरिज की थी। दोनों की दो बेटियां हैं।
- प्रतीक ने 19 जनवरी को अचानक पत्नी अपर्णा से तलाक लेने का ऐलान कर दिया था। कहा था- अपर्णा ने मेरी जिंदगी नरक बना दी। हालांकि, 9 दिन बाद दोनों में सुलह हो गई थी। इंस्टाग्राम पर प्रतीक ने अपर्णा के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था- 'All is Good यानी सब अच्छा है।

डॉक्टर रुचिता बोलीं- प्रतीक खून पतला करने की दवाएं ले रहे थे

CARDIORESPIRATORY COLLAPSE DUE TO MASSIVE PULMONARY THROMBOEMBOLISM AS NOTED, HOWEVER WHOLE HEART & PULMONARY THROMBOEMBOLIC MATERIAL PRESERVED IN FORMALIN FOR HISTOPATHOLOGICAL EXAMINATION AND VISCERA PRESERVED FOR CHEMICAL ANALYSIS AND HANDED OVER TO C.P. CONCERNED, VIDE VISCERA NO. 752 / 2026.
ALL INJURIES MENTIONED ARE ANTEMORTEM

मेदांता हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. रुचिता शर्मा ने कहा, हमें प्रतीक यादव के निधन पर गहरा दुख है। वह हमारे पुराने मरीज थे। मैं काफी समय से उनका इलाज कर रही थी, उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और हाइपरटेंशन जैसी दिक्कतें थीं। कुछ ही दिन पहले, उन्हें पल्मोनरी एम्बोलिज़्म होने के बाद यहां भर्ती किया गया था। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें खून का थक्का (blood clot) धमनियों में पहुंचकर वहीं फंस जाता है। उनके फेफड़ों में रुकावट के कारण, उनके दिल के काम करने पर बुरा असर पड़ा था।

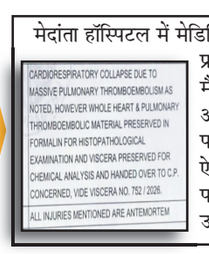

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय बोले- प्रतीक की मौत की जांच होनी चाहिए

प्रतीक यादव के निधन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा, ये बहुत ही दुखद है। एक नौजवान व्यक्ति का जाना जो समाज में आगे बढ़कर काम करने वाला व्यक्ति, समाज सेवा में काम करने वाला व्यक्ति, गरीब आदमी के बीच काम करने वाला व्यक्ति और जो मुलायम सिंह यादव जी ने रास्ता दिखाया था, उस रास्ते पर चल रहा था और आज उनकी असामयिक मृत्यु हुई। ये बहुत ही दुखद है। मैं अपनी शोक संवेदना प्रकट करता हूं।

मां घरों में काम करती, बेटी को 94% नंबर मिले

लखनऊ में सीबीएसई 12वीं मेधावी को छात्राओं ने गोद में उठाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) ने आज 12वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया। लखनऊ के स्कूलों का रिजल्ट अच्छा आया है। स्कूलों में होनहार छात्र-छात्राएं जश्न मनाया। मेधावी छात्र-छात्राओं को गोद में उठाकर खुशी जाहिर किया। स्कूलों में होनहार छात्र-छात्राओं का माला पहनाकर स्वागत किया गया। लड्डू खिलाकर बधाई दी गई। कई स्कूलों में अभिभावक भी पहुंचे। उनका भी स्वागत किया गया। स्पाइन टीबी से जूझ रही छात्रा अवनी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 83 प्रतिशत अंक हासिल किए। घरों में काम करने वाली मां की बेटी नीलू ने 94% नंबर पाए हैं। उनके पिता की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी, इसलिए वह कार्डियोलॉजिस्ट बनना चाहती हैं। इस बार 17 फरवरी से 9 अप्रैल तक 12वीं के एग्जाम हुए थे। कॉपियां ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम के तहत चेक की गईं। CBSE बोर्ड मेरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं किया जाता है। बोर्ड सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश देता है।

मोदी काफिला छोड़ 2 गाड़ियों के साथ निकले

पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की थी, शाह-नड्डा ने भी काफिले में गाड़ियां कम कीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को काफिला छोड़ सिर्फ 2 गाड़ियों के साथ निकले। आमतौर पर पीएम के काफिले में 12 से 15 गाड़ियां रहती हैं। अब एक गाड़ी में पीएम जबकि दूसरी गाड़ी में SPG और सुरक्षा कर्मी मौजूद रहेंगे।

पीएम जनता से लगातार पेट्रोल-डीजल का कम इस्तेमाल करने की अपील कर रहे हैं। इसको लेकर गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी अपने काफिले की गाड़ियां कम कर दीं है।

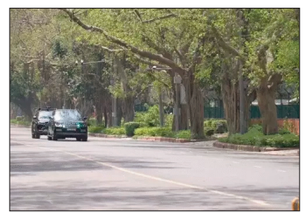

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि वे इस साल फ्रांस में होने वाले कांस फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देते हुए विभागीय खर्च में कटौती और संयम का फैसला लिया गया है। शेलार ने बताया कि अब बैठकों और कामकाज के लिए वर्चुअल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, कांस फिल्म फेस्टिवल में शामिल मराठी फिल्मों के लिए सरकारी सहयोग और समन्वय जारी रहेगा। जरूरत पड़ने पर वे ऑनलाइन माध्यम से मराठी सिनेमा को समर्थन देंगे।

फास्ट न्यूज

देश में लेन ड्राइविंग का सिस्टम नहीं : सुप्रीम कोट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देश में बढ़ते सड़क हादसों को लेकर कहा कि भारत में लेन ड्राइविंग का कोई कॉन्सेप्ट ही नहीं है। यही दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रहा है। कोर्ट ने सड़क सुरक्षा को लेकर कई अहम निर्देश भी जारी किए। कोर्ट ने सभी राज्यों और को आदेश दिया कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट गाड़ियों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस (VLTD) और इमरजेंसी पैनिक बटन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं।

एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के सीएम

तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बने हैं। उप-राज्यपाल कैलाश नाथन ने लोक भवन में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। रंगासामी के अलावा भाजपा के ए नमस्सिवायम और AINRC नेता मल्लादी कृष्णा राव ने मंत्री पद की शपथ ली। नमस्सिवायम 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। पिछली पुडुचेरी सरकार में वे गृह मंत्री थे। 4 मई को आए पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के परिणामों में रंगासामी के नेतृत्व वाले NDA गठबंधन को 30 में से 16 सीटें मिली थी।

आतंकी को पनाह देने वाला शिक्षक गिरफ्तार

किश्तवाड़/पुंछ। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने सरकारी स्कूल के एक शिक्षक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और दूसरी मदद देने का आरोप है। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है। वह इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में तैनात है।

विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

118 वोट चाहिए थे, 144 मिले, एआईएडीएमके के 25 बागी विधायक साथ आए, डीएमके का वॉकआउट

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री विजय की TVK सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग के वक्त सदन में 171 विधायक मौजूद थे। इनमें 144 ने TVK का समर्थन किया। TVK के पक्ष में AIADMK के 25 बागी विधायकों ने भी वोट डाला। AIADMK के 47 विधायक हैं। 22 ने TVK सरकार का विरोध किया। फ्लोर टेस्ट में 59 विधायकों वाली DMK ने वॉकआउट कर दिया। सदन मे मौजूद PMK के 4 और BJP के एक विधायक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। फ्लोर टेस्ट के साथ AIADMK में फूट भी पड़ गई । पार्टी पलानीस्वीमी और सीवी षणमुगम में गुट में बंट गई। इसके बाद पार्टी के प्रमुख पलानीस्वामी ने एसपी वेलुमणि और सी वी शनमुगम समेत कई नेताओं को उनके पदों से हटा दिया है। सदन में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने AIADMK के बागी विधायकों और विजय की मुलाकात पर कहा कि यह मुलाकात बदलाव है या सौदेबाजी? क्या यही आपकी साफ-सुथरी सरकार है? TVK सरकार को इंस्टाग्राम Reel के जरिए नहीं, बल्कि Real गवर्नेंस करनी चाहिए। इस पर सीएम विजय ने कहा हमारी सरकार सेक्युलर तरीके से घोड़े की रफ्तार से काम करेगी न कि हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आए, जिसमें विजय की पार्टी ने कुल 234 सीटों में से सबसे ज्यादा 108 सीटें जीतीं। DMK को 59 और AIADMK को 47 सीटें मिलीं। छोटे-छोटे दल और अन्य को 20 सीटें मिलीं। सरकार बनाने के लिए 118 का बहुमत किसी को नहीं मिला। कांग्रेस ने DMK से गठबंधन तोड़कर TVK को समर्थन देने का ऐलान किया। कांग्रेस नेताओं ने TVK के दफ्तर पहुंचकर विजय को समर्थन पत्र सौंपा। इस तरह विधायकों की संख्या 113 हो गई। लेकिन अब भी बहुमत से 5 विधायकों की संख्या कम थी। एक्टर विजय गवर्नर के पास सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए गए, लेकिन गवर्नर ने बहुमत की संख्या पूरी न होने की वजह से उन्हें लौटा दिया। लेफ्ट पार्टियों CPI और CPI(M) ने अपने 2-2 विधायकों के साथ TVK को समर्थन देने का ऐलान किया।

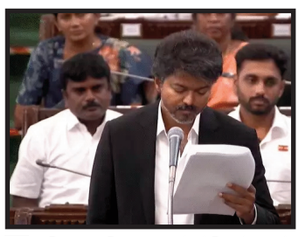

तमिलनाडु विधानसभा में वोटिंग के पहले DMK ने सदन से वॉकआउट किया।

>> (शेष पेज 04 पर)

तुअर दाम की एमएसपी ₹450 बढ़ाकर ₹8450 की ■ धान में ₹72 का इजाफा किया

सरकार ने 14 खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ सीजन की 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में बढ़ोतरी का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

>> (शेष पेज 04 पर)

कैबिनेट के 3 अन्य फैसले

- सरकार ने कोयले से गैस बनाने की परियोजनाओं के लिए 37,500 करोड़ की योजना को मंजूरी दी, 2030 तक 100 मिलियन टन कोयले के गैसीफिकेशन का लक्ष्य।
- नागपुर एयरपोर्ट की एएआई जमीन की लीज अवधि मिहान इंडिया लिमिटेड के लिए 2039 के बाद भी बढ़ाने को मंजूरी।
- अहमदाबाद-धोलेरा के बीच 20,667 करोड़ की लागत से देश की पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन ट्रेन परियोजना को मंजूरी।

मूंगफली का समर्थन मूल्य ₹254 बढ़कर ₹7517 किया

फसल	नई MSP 2024-25	पुरानी MSP 2025-26	अंतर
धान (सामान्य)	₹2,441	₹2,369	₹72
धान (A ग्रेड)	₹2,461	₹2,389	₹72
ज्वार (हाईब्रिड)	₹4,023	₹3,699	₹324
ज्वार (मालदंडी)	₹4,073	₹3,749	₹324
बाजरा	₹2,900	₹2,775	₹125
रागी	₹5,205	₹4,886	₹319
मक्का	₹2,410	₹2,400	₹10
तुअर/अरहर	₹8,450	₹8,000	₹450
मूंग	₹8,780	₹8,768	₹12
उड़द	₹8,200	₹7,800	₹400
मूंगफली	₹7,517	₹7,263	₹254
सूरजमुखी	₹8,343	₹7,721	₹622
सोयाबीन	₹5,708	₹5,328	₹380
तिल	₹10,346	₹9,846	₹500
रामतिल	₹10,052	₹9,537	₹515
कपास (मिडिल स्टेपल)	₹8,267	₹7,710	₹557
कपास (लॉन्ग स्टेपल)	₹8,667	₹8,110	₹557

क्या है एमएसपी या मिनिमम सपोर्ट प्राइस

न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो।
इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे।

अब ताजा ₹57, गोल्ड ₹70 प्रति लीटर मिलेगा, नई कीमतें गुरुवार से लागू होंगी

अमूल ने बढ़ा दिए दूध के दाम

झटका

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अमूल ने बुधवार को दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी कर दी है। नए दाम गुरुवार (14 मई) से लागू होंगे। गुजरात कॉपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मुताबिक, अमूल दूध के प्रमुख वेरिएंट और पैक पर कीमतें बढ़ाई गई हैं।

कंपनी का कहना है कि यह बढ़ोतरी 2.5% से 3.5% के बीच है। मई 2025 के बाद पहली बार दूध के दाम बढ़ाए गए हैं। पशु आहार, पैकेजिंग और ईंधन की लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लिया गया। को-ऑपरेटिव के मुताबिक, दूध के उत्पादन और ऑपरेशनल खर्च में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पशु चारे की बढ़ती कीमत और ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ने की वजह से समय-समय पर दूध की कीमतों में बदलाव करना पड़ता है। पिछले कुछ सालों में डेयरी इंडस्ट्री पर इनपुट कॉस्ट का दबाव काफी बढ़ गया है। इससे पहले 1 मई 2025 को गुजरात और अन्य राज्यों में सभी प्रकार के अमूल दूध की कीमत में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। वहीं इससे पहले 4 जून 2024 को भी सभी वेरिएंट के दाम बढ़ाए गए थे, तब भी दाम में 2 रुपए प्रति लीटर तक की ही बढ़ोतरी की गई थी। गुजरात के 33 जिलों में 18,600 मिल्क को-ऑपरेटिव सोसाइटीज और 18 डिस्ट्रिक्ट यूनियन हैं। इन सोसाइटीज से 36 लाख से ज्यादा किसान जुड़े हैं।

अमूल दूध के रेट 2 रूपये लीटर बढ़े

वेरिएंट	पैक	पुरानी कीमत	नई कीमत	बढ़ोतरी
ताजा	500 मिली	₹28	₹29	₹1
ताजा	1 लीटर	₹55	₹57	₹2
गाय का दूध	500 मिली	₹29	₹30	₹1
शक्ति	500 मिली	₹31	₹32	₹1
टी स्पेशल	1 लीटर	₹63	₹66	₹3
गोल्ड	500 मिली	₹34	₹35	₹1
गोल्ड	1 लीटर	₹68	₹70	₹2

अमूल का मॉडल तीन लेवल पर काम करता है

1. डेयरी को-ऑपरेटिव सोसाइटी
2. डिस्ट्रिक्ट मिल्क यूनियन
3. स्टेट मिल्क फेडरेशन

■ दूध का उत्पादन करने वाले गांव के सभी किसान डेयरी को-ऑपरेटिव सोसाइटी के मेंबर होते हैं। ये मेंबर रिप्रजेंटेटिव्स को चुनते हैं जो मिलकर डिस्ट्रिक्ट मिल्क यूनियन को मैनेज करते हैं।

■ डिस्ट्रिक्ट यूनियन मिल्क और मिल्क प्रोडक्ट की प्रोसेसिंग करती है। प्रोसेसिंग के बाद इन प्रोडक्ट्स को गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड डिस्ट्रीब्यूटर की तरह काम कर मार्केट तक पहुंचाता है।

■ सप्लाई चेन को मैनेज करने के लिए प्रोफेशनल्स को हायर किया जाता है। दूध के कलेक्शन, प्रोसेसिंग और डिस्ट्रीब्यूशन में डायरेक्ट-इनडायरेक्ट रूप से करीब 15 लाख लोगों को रोजगार मिलता है।

■ अमूल का मॉडल बिजनेस स्कूल्स में केस स्टडी बन गया है। इस मॉडल में डेयरी किसानों के कंट्रोल में रहती है। यह मॉडल दिखाता है कि कैसे प्रॉफिट पिरामिड के सबसे निचले हिस्से तक पहुंचता है।

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NEET UG 2026 परीक्षा रद्द मामले में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। इसमें सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में दोबारा परीक्षा कराने की मांग की गई है। FAIMA ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) की कार्यप्रणाली से अब भरोसा उठ चुका है। इसलिए मौजूदा गवर्निंग बॉडी का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। CBI ने नासिक से शुभम खैरनार और अहिल्याबाई नगर से धनंजय को हिरासत में लिया। धनंजय पर शुभम को पेपर देने का आरोप है। मुंबई कोर्ट ने CBI को शुभम की 2 दिन की ट्रांजिट रिमांड दी। वहीं, राजस्थान पुलिस ने गुरुग्राम से BAMS फर्स्ट ईयर के छात्र को पकड़ा। सीबीआई ने इस मामले में अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से तीन जयपुर, एक गुरुग्राम और एक नासिक से है। जांच के लिए CBI अधिकारी आज दिल्ली में NTA के हेडक्वार्टर भी पहुंचे। दरअसल, NTA ने 12 मई को पेपर लीक के बाद NEET परीक्षा रद्द कर दी थी। NTA ने माना कि गड़बड़ी हुई है। एग्जाम 3 मई को हुआ था, जिसमें 22.79 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

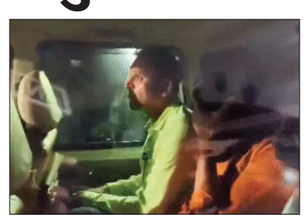

सम्पादकीय

नीट परीक्षा रद्द, पेपर लीक का एक और मामला

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश की सबसे बड़ी परीक्षा नीट 2026 को रद्द करने का फैसला लिया है। 3 मई को नीट परीक्षा आयोजित हुई थी, लेकिन उसके पर्चे पहले ही लीक हो गए थे, इस वजह से एनटीए ने परीक्षा को ही रद्द करने का फैसला लिया। ज्ञात हो कि नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) परीक्षा, भारत में मेडिकल कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित की जाती है। हर साल लाखों विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होते हैं। इस बार 22 लाख बच्चों ने नीट परीक्षा दी थी। जिसके लिए कई छात्रों ने साल-दो साल की महंगी कोचिंग कक्षाओं में पढ़ाई की होगी, कई छात्रों के मां-बाप ने आर्थिक कठिनाइयों या अन्य दिक्कतों का सामना किया होगा, ताकि उनके बच्चे इस परीक्षा में सफल हो सकें तो डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल कॉलेज में उनका दाखिला हो जाए। छात्रों का भविष्य, उनके सपने, बेहतर जीवन की तैयारी सब कुछ इस परीक्षा पर निर्भर होगा, जिसे एक झटके में पेपर लीक माफिया ने तोड़ दिया है।भारतीय समाचार एनटीए ने तो एक बयान जारी कर बता दिया कि 3 मई 2026 को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। अब परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। नयी परीक्षा तारीख की घोषणा बाद में आधिकारिक माध्यमों से की जाएगी। इससे आगे एनटीए में बैठे अधिकारियों ने अपनी और कोई जिम्मेदारी छात्रों के प्रति नहीं समझी। एनटीए ने कहा कि उसने 8 मई को पेपर लीक के मामले को स्वतंत्र जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेजा था। उनसे चर्चा के बाद यह तय किया गया कि मौजूदा परीक्षा प्रक्रिया को बरकरार नहीं रखा जा सकता। एजेंसी ने माना कि दोबारा परीक्षा होने से छात्रों और उनके परिवारों को असुविधा होगी, लेकिन एनटीए के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी था। कितनी आसानी से परीक्षा प्रक्रिया पर भरोसे की बात कही गई है। जबकि हकीकत ये है कि मोदी सरकार में पेपर लीक अब एक लाइलाज बीमारी जैसा बन गया है। पिछले 10 सालों में कम से कम 89 बार पेपर लीक हुए हैं, जिसमें चार बार तो नीट के ही पेपर लीक हुए हैं। इस बार मामले का खुलासा राजस्थान से हुआ। जहां हाथ से लिखे गए गेस पेपर मिले, इसमें 140 सवाल 3 मई की परीक्षा के पेपर के ही समान थे। लेकिन एनटीए ने अपने बयान इसका जिक्र नहीं किया है। ये सवाल 600 अंक के थे, और नीट पेपर में कुल 720 अंक ही होते हैं। यानी जिसके हाथों में ये गेस पेपर लगा होगा, उसने सभी सही जवाब दिए होंगे। अगर परीक्षा रद्द न होती तो फिर बेईमानी से उत्तीर्ण होने वाले लोग बहुतेरे होते। हालांकि असल सवाल वहीं का वहीं है कि गेस पेपर के नाम पर पर्चे का बड़ा हिस्सा आखिर किसने लीक किया। यह किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं है, इसमें पूरा माफिया काम करता है।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं। लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे। यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

> आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है। आज जब महंगाई लगातार बढ़

र ही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे "अहिंसा की प्रयोगशाला" बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि "वसुधैव कुटुम्बकम्" की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है। आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है।

ललित गर्ग

जन सुराज का...

डा. विनोद बब्बर

नारों से नहीं, व्यवहार से होगा गौ संरक्षण

> गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग और आंदोलन करने वालों को ऐसी दुर्घटनाओं में गायों के स्थाई रूप से घायल अथवा निष्प्राण होने के मुद्दे पर कुछ कहते हुए बहुत कम ही सुना जाता है। गौ माता का दोहन- शोषण करने वालों की मानसिकता में बदलाव करने अथवा इस प्रवृत्ति के विरुद्ध जनमत जागृत करने के लिए सरकारों को कोसने वालों का मौन चुभता है।

भारत सत्य सनातन संस्कृति का अनुगामी है जहां गौ, गंगा, गायत्री, गुरु गोविंद के प्रति श्रद्धा है। हमारी आस्था और विश्वास है कि गौमाता में 33 कोटि देवता निवास करते हैं। हर सनातनी परिवार में गौ-ग्रास निकालने की परम्परा रही है। गौ पूजा के अनेक पर्व हैं तो भगवान श्रीकृष्ण की गौ सेवक की छवि सर्वाधिक लोकप्रिय है। गांधी जी के मतानुसार गौ-संरक्षण उनके लिए केवल गाय का नहीं, कमजोर और असहायों का संरक्षण भी है। गौ संरक्षण देश के लिए, पर्यावरण के लिए, अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। उसका दूध भी माँ के दूध के बाद सर्वश्रेष्ठ है इसलिए उसे उत्तम स्वास्थ्य के लिए आवश्यक माना जाता है। गोमूत्र कैंसर सहित अनेक बीमारियों में रामबाण औषधि माना जाता है। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार गाय दूध ही नहीं, सोना भी देतीं है। तीन सदस्यीय टीम ने अपने चार वर्ष के शोध के दौरान गिर नस्ल की 400 से अधिक गायों के यूरीन का क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री विधि के प्रयोग से परीक्षण कर गौमूत्र से सोना प्राप्त होने की पुष्टि की। उनके अनुसार, 'प्राचीन ग्रंथों में गोमूत्र में स्वर्ण पाए जाने की चर्चा थी लेकिन कुछ लोग बार-बार कहते थे कि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इस परीक्षण प्रमाण से उनका मुंह बंद हो जाना चाहिए।' इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि गौ-संरक्षण के नाम पर जोश और नारे तो बहुत हैं लेकिन व्यवहार कम ही देखने को मिलता है। शहरों में स्थान का अभाव और अनेक तरह के नियम बाधक हैं तो दूसरी ओर गांवों में भी नई पीढ़ी शिक्षा अथवा रोजगार के लिए शहरों की ओर मुख कर रही है अतः अब गाँव में भी लोग गाय पालने से बचने लगे हैं। तेजी से फैली टीवी संस्कृति ने गांव की महिलाओं को अपनी लपेट में ले लिया है। वे गाय की सेवा में घंटों लगाने की बजाय बाजार से दूध लेना चाहती हैं। इसके अनेक अन्य कारण भी है।. अब गांवों में चारागाह की समस्या हो रही है। पहले हर गांव में चारागाह, (जिसे ओरण, अरण्य, बणी, गौचर भी कहा जाता है) छोड़ी जाती थी लेकिन इधर जमीनों में दाम बढ़ने से पंचायतों की मिली भगत से बाहुबलियों के कब्जे होने लगे हैं। जिसका सीधा दुष्प्रभाव छोटे व भूमिहीन गौ पालकों पर पड़ा है। इधर फसल कटाई की स्वचालित मशीनों कि बढ़ते प्रचलन से भूसे का बहुत बड़ा भाग बर्बाद हो जाता है। साधारण व्यक्ति के लिए अब गांव में भी हरा चारा चरी, खल, चूरा आदि खरीद कर खिलाना बहुत महंगा पड़ता है। गाय यदि किसी दूसरे के खेत में घुस गई तो विवाद की नौबत आ जाती है। बदलते परिवेश में लोगों का व्यवहार भी बदला है। दिखावे के लिए जरूर गाय को माता कहते हैं लेकिन घरों में कुत्ते पालने का प्रचलन बढ़ा है। गौ पालन में कमी का कारण उसका लाभकारी न होना बताने वाले कुत्ते से होने वाले आर्थिक लाभ के प्रश्न पर मौन रहने को विवश होते है या इसे अपनी रुचि बताकर पल्ला झाड़ लेते है। व्यवसायिक होते दौर में लोगों की मानसिकता में भी बदलाव हुआ है तो कुछ लोग विशिष्ट नस्ल की गायों को ही 'गौ-माता' मानते हुए शेष का बहिष्कार करने की आह्वान करते हैं तो ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है जिनका मत है कि विदेशी नस्ल की गायों के कारण से ही इस देश में दूध की उपलब्धता बढ़ी है। गोवंश का संरक्षण किया जाना चाहिए लेकिन न जाने क्यों सड़कों पर भटकती गायों के मुद्दे पर बात करने से बचते हैं लेकिन इस बात से मुख नहीं मोड़ा जा सकता कि सड़कों पर भटकने को मजबूर गायें भी हमारे बीच रहने वालो की ही हैं। हमारे समाज में कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दूध निकाल लेने के बाद अपनी गाय को गलियों- बाजारों में धक्के खाने के लिए छोड़ देते हैं। जो लोग गाय का दूध बेचकर रोजी-रोटी चलाते हैं, गौ दुग्ध बेचकर अपने लिए सुविधाएं और साधन जुटाने वाले बूढ़ी अथवा बीमार होने पर गायों को सड़कों पर धक्के खाने के लिए छोड़ने वाले अपराधी हैं या नहीं? नगरों और महानगरों में एक ऐसा माफिया पनप रहा है जो दूध निकालने के बाद गाय को डंडा मार निकाल देते हैं। क्या ऐसे लोगों के लिए गौ-पालक अथवा गौ रक्षक जैसे किस शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए? अक्सर देखा जाता है कि बरसात के दिनों में गायों के झुंड देशभर के हाई-वे पर आ बैठते हैं। अनेक बार दुर्घटनाएं भी होती हैं। गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग और आंदोलन करने वालों को ऐसी दुर्घटनाओं में गायों के स्थाई रूप से घायल अथवा निष्प्राण होने के मुद्दे पर कुछ कहते हुए बहुत कम ही सुना जाता है। गौ माता का दोहन- शोषण करने वालों की मानसिकता में बदलाव करने अथवा इस प्रवृत्ति के विरुद्ध जनमत जागृत करने के लिए सरकारों को कोसने वालों का मौन चुभता है। इन पंक्तियों के लेखक ने राजस्थान, गुजरात सहित अनेक राज्यों के अपने प्रवास के दौरान पाया कि हाई-वे या आसपास बैठी गाय कम, बछड़े अधिक होते हैं। इधर आधुनिकता ने अधिक दूध की चाह में कृत्रिम गर्भाधान और वर्ण संकर नस्ल को बढ़ावा दिया है। बछिया तो ठीक पर बछड़े को बोझ समझकर कोई नहीं पालना चाहता।

यह तीनों जिले...

संजय सिन्हा

बंगाल में राजनीतिक हिंसा और घुसपैठ की बड़ी चुनौती

पश्चिम बंगाल की नई सरकार के साने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक हिंसा का गहरा कल्चर और घुसपैठ है। अजीब बात है कि एक राज्य जो अपनी बौद्धिक विरासत पर गर्व करता है, वह दशकों से बदले की राजनीति और सड़क पर हिंसा के लिए उपजाऊ ज़मीन रहा है। हालांकि भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी, इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब यहां की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा।भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है। बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुआ है। यहां पर अप्रत्याशित रूप से ज़मीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सरदूल सिंह

नामांकन के बहाने सरकारी स्कूलों को बंद करने की कवायदः एक नीतिगत मामला

नया सत्र शुरू होते ही सरकारी स्कूलों में घटते नामांकन और उनके बंद होने या अन्य स्कूलों में विलय करने की खबरें आम हो गई हैं। वर्तमान में राजस्थान सरकार ने जहां नामांकन 15 से कम है उन प्राथमिक विद्यालयों की रिपोर्ट मांगी गई है। चर्चा है कि प्रदेश के लगभग 7000 स्कूलों को बंद या मर्ज करने की तैयारी चल रही है। अगर ऐसा होता है तो अभावग्रस्त विद्यार्थियों का शिक्षा से दूर होना तय है तथा नई भर्ती की आशा में बैठे युवकों को रोजगार प्राप्त करना भी असंभव हो जाएगा। केवल अमीर परिवारों के विद्यार्थी ही गुणवत्तापूर्ण तथा उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। सरकार का तर्क है कि कम बच्चों वाले स्कूलों पर होने वाला खर्च व्यर्थ है, अतः बजट बचाने के लिए यह कदम उठाना आवश्यक है लेकिन क्या यह प्रक्रिया स्वाभाविक है या किसी सोची-समझी नीति का हिस्सा? यह एक गंभीर प्रश्न है। यह स्थिति केवल राजस्थान की नहीं बल्कि पूरे भारत की है। 20 वर्ष पहले सरकारी स्कूलों में कुल बच्चों में से 71 प्रतिशत बच्चे थे जो अब घटकर मात्र 49 प्रतिशत रह गए हैं । राजस्थान के आंकड़े और भी चिंताजनक हैं। पिछले पांच वर्षों में निजी स्कूलों में जहां नामांकन बढ़ा है, वहीं सरकारी स्कूलों का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा है। इसका सीधा संबंध 1990 के बाद अपनाई गई वैश्वीकरण और निजीकरण की नीतियों से है। सार्वजनिक संस्थाओं को या तो बेचा गया या उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया ताकि जनता का उनसे मोहभंग हो सके। विडंबना यह है कि शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का जितना अधिक निजीकरण होगा, वे आम जनता की पहुंच से उतनी ही दूर होती जाएंगी। लोगों को अपनी क्रय शक्ति का ज्यादा खर्च इन सेवाओं को प्राप्त करने के लिए करना पड़ेगा जो उन पर तो बोझ बनेगा और मुनाफा कमाने वालों की जेब में वह धन अधिकाधिक रूप में एकत्रित होता चला जाएगा जो सामाजिक असमानता को बढ़ाता है जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की तुलना में बढ़ते निजी शिक्षण संस्थाओं, निजी अस्पतालों और परिवहन सेवाओं के रूप में देखा जा सकता है. सवाल यह उठता है कि सरकारी स्कूलों में नामांकन गिर क्यों रहा है? अगर हम तथ्यों पर नजर डालें, तो राजस्थान में सरकारी शिक्षकों के लगभग सवा लाख पद रिक्त हैं। भवन और सुविधाओं की स्थिति यह है

कि पिछले वर्ष एक स्कूल की छत गिरने से हुई दुर्घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। उच्च न्यायालय के संज्ञान लेने के बाद शिक्षा विभाग की रिपोर्ट में करीब 87,000 कक्षा-कक्षों को 'अयोग्य' करार दिया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। भवन, खेल तथा अन्य सुविधाएं कॉर्पोरेट के मुनाफों का कुछ अंश जन सहभागिता के नाम पर या दानदाताओं के भरोसे उपलब्ध करवाया जा रहा है। बजट और तकनीकी विशेषज्ञों के अभाव में नए भवनों का निर्माण अधर में लटका हुआ है। इसी अव्यवस्था के चलते पिछले 4 वर्षों में लगभग 10 लाख बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया और 1500 स्कूल कम हो गए। प्रदेश के 6000 से अधिक स्कूल आज भी 'एकल शिक्षक' के भरोसे चल रहे हैं। एक साधारण समझ वाला व्यक्ति भी यह समझ सकता है कि यदि सरकारी स्कूलों में आधुनिक समाज की जरूरत के अनुसार पर्याप्त शिक्षक, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और सुरक्षित भवन उपलब्ध हों, प्रत्येक बच्चे का दैनिक मूल्यांकन हो, उसे हर रोज पढ़ाया जाए, गृह कार्य या अन्य मूल्यांकन के आधार पर बच्चों का हर रोज मूल्यांकन कर विकास किया जाए तो कोई भी अभिभावक महंगे निजी स्कूलों का रुख क्यों करेगा? यदि कानूनी रूप से सारी शिक्षा को निशुल्क तथा प्रत्येक को योग्यता अनुसार रोजगार गारंटी देते हुए शिक्षकों की भर्ती कर शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों (जैसे जनगणना या अन्य सरकारी सर्वे) से मुक्त कर दिया जाए और उनका पूरा ध्यान केवल बच्चों के सर्वांगीण विकास पर हो तो नामांकन में कभी कमी नहीं आएगी। इससे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता सुधरेगी, बल्कि लाखों बेरोजगार योग्यताधारी युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। कल्पना करें एकल अध्यापक वाले प्राथमिक विद्यालय में 6 अध्यापक, सफाई कर्मचारी, कंप्यूटर कर्मचारी भर्ती किए जाएं तो कितनी बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी को रोजगार तथा बालकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पाएगी। वर्तमान में सरकार एक तरफ तो साइकिल, कंप्यूटर और पोषाहार जैसी सुविधाओं का ढिंढोरा पीटती है लेकिन दूसरी तरफ शिक्षकों की भारी कमी को नजरअंदाज करती है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी को 'डिजिटल लर्निंग' या 'कंप्यूटर' से भरने की कोशिश की जा रही है। तकनीक शिक्षा सहायक तो हो सकती है, लेकिन वह उस जीवंत संवाद और व्यक्तिगत जुड़ाव का विकल्प कभी नहीं बन सकती, जो एक शिक्षक और विद्यार्थी के बीच होता है। बच्चे कोई यंत्र नहीं हैं, वे मानवीय संवेदनाओं और संवाद से सीखते हैं।नामांकन की कमी का बहाना बनाकर स्कूलों को बंद करना वास्तव में निजीकरण की नीति को खाद-पानी देना है। समाज के हित में 'निजीकरण' नहीं बल्कि 'सार्वजनिकीकरण' अनिवार्य है। यदि प्रत्येक विद्यालय में कक्षा वार, विषयावार सभी पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति हो और वहां बुनियादी ढांचा मजबूत किया जाए, तो नामांकन घटने के बजाय बढ़ेंगे और सरकार को नए स्कूल खोलने पड़ेंगे। शिक्षा कोई व्यापार नहीं, बल्कि मानव संसाधन को तराशने की प्रक्रिया है। यदि इसे मुनाफे पर आधारित व्यवसाय बनाया गया, तो हम भविष्य के लिए योग्य नागरिक नहीं, बल्कि केवल उपभोक्ता तथा व्यवसायी ही तैयार करेंगे। अतः सरकार को अपनी नीतियों को निजीकरण की बजाय सार्वजनिकीकरण करना होगा। प्रत्येक को निशुल्क शिक्षा तथा प्रत्येक को योग्यता अनुसार रोजगार की गारंटी का कानून बनाकर ही निजीकरण की प्रवृत्ति को रोका जा सकता है। इससे निजी क्षेत्र में काम करने वाले कार्मिकों का शोषण रुकेगा तथा अभिभावकों की जेबों पर भी बोझ नहीं बढ़ेगा। गांव-ढाणी तक शिक्षा की लौ जलाए रखने के लिए स्कूलों को बंद करने के बजाय उन्हें संसाधनों से सुसज्जित करना तथा नियमित और पूर्ण वेतन पर स्थाई शिक्षकों की समयबद्ध भर्ती करना ही समय की मांग है।

मम्मी की रोटी से ज्यादा गोल, यूजर्स बोले- खेलने पर ध्यान दो, राजस्थान को जिताओ

वैभव सूर्यवंशी ने मास्टरशेफ बनकर किचन में बनाई रोटियां

पटना, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी, ये अब सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट का उभरता हुआ ब्रांड बन चुके हैं। IPL 2026 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से न सिर्फ गेंदबाजों की नींद उड़ा रहे, बल्कि मास्टरशेफ बनकर किचन में रोटियां भी उछाल रहे। दरअसल, राजस्थान रॉयल्स की ओर उनका एक मजेदार वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें वैभव मास्टरशेफ बनकर रोटियां बनाते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं, रोटी बेलने के बाद उसे बड़े गर्व से दिखा भी रहे हैं। वह अपनी बनाई हुई रोटी की तुलना अपनी मां की रोटियों से करते हुए कहते हैं, ये देखो, ये तो मम्मी की रोटी से भी ज्यादा गोल बनी है..। उनके इस आत्मविश्वास भरे अंदाज को देखकर

काला चश्मा पहनकर रोटी सेकने की कोशिश करते हुए वैभव सूर्यवंशी।

नेटिजन्स उन्हें 'ऑलराउंडर' बता रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स ये वीडियो देखकर भड़क गए। एक ने लिखा, प्रैक्टिस पर ध्यान दो", तो दूसरे ने लिखा,"भाई मैच तो जीतो।" वहीं एक यूजर तो बुरी तरह भड़का नजर आया और उसने फ्रेंचाइजी को ही घेर लिया। वीडियो की शुरुआत में वैभव बोलते हैं- "मास्टरशेफ वैभव सूर्यवंशी।" इसके बाद वे बताते हैं कि किचन में वो किस तरह कंट्रिब्यूशन देंगे।

यूजर्स बोले- खेलने पर ध्यान दो

राजस्थान रॉयल्स की टीम पिछले सात में से पांच मुकाबले हार चुकी है। कई मौकों पर टीम को वैभव पर काफी ज्यादा निर्भर भी देखा गया है। इसी बात को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स भड़क गए। एक यूजर ने लिखा, "खेलने पर ध्यान दो।" वहीं दूसरे ने कहा, "भाई, मैच तो जीतो।" एक अन्य यूजर ने फ्रेंचाइजी को घेरते हुए लिखा, "15 साल के लड़के की कमाई पर पलने वाली तुम्हारी फ्रेंचाइजी, शर्म करो थोड़ी बहुत। कितना बेचोगे इस बच्चे को? पूरी टीम इस एक बच्चे पर निर्भर है, शर्म नहीं आती उससे ऐसी वीडियोज बनवाते हुए?"

क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी की परफॉर्मेंस जानिए

- वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 में सबसे तेज 100 छक्के जड़े
- आईपीएल इतिहास में तीसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर
- वैभव एक आईपीएल इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय
- वैभव आईपीएल में सबसे तेज 50 सिक्स लगाने वाले खिलाड़ी
- आईपीएल में सबसे तेज 500 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी

कैमरा हाथ में आते ही वैभव अलग-अलग एंगल से ग्राउंड का शॉट बनाने लगते हैं

धर्मशाला पहुंची मुंबई इंडियंस की टीम

प्रशंसकों से बिना मिले निकले रोहित शर्मा, तिलक वर्मा ने दिए ऑटोग्राफ, आज पंजाब किंग्स होगा मुकाबला

- धर्मशाला एयरपोर्ट से बाहर आते मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी एवं बल्लेबाज तिलक वर्मा।

धर्मशाला, एजेंसी

मुंबई इंडियंस (MI) की टीम मंगलवार को धर्मशाला पहुंच गई। दुनिया के सबसे खूबसूरत क्रिकेट मैदान एचपीसीए स्टेडियम में आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले के लिए टीम चंडीगढ़ से एलायंस एयर के विशेष विमान से कांगड़ा पहुंची। इस सीजन में प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद, पहाड़ों की वादियों में हिटमैन रोहित शर्मा के प्रति प्रशंसकों का उत्साह स्पष्ट रूप से देखा गया। एयरपोर्ट के बाहर सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे। जैसे ही रोहित शर्मा बाहर आए, पूरा परिसर मुंबई-मुंबई के नारों से गूंज उठा। सुरक्षा कारणों से रोहित सीधे अपनी लग्जरी बस में सवार होकर होटल रेडिसन ब्लू के लिए रवाना हो गए। रोहित शर्मा भले ही प्रशंसकों से सीधे बातचीत नहीं कर

पाए, लेकिन टीम के युवा खिलाड़ियों ने उनका दिल जीता। तिलक वर्मा ने प्रशंसकों के बीच जाकर ऑटोग्राफ दिए और उनके साथ सेल्फी खिंचवाई। नमनधीर ने स्थानीय युवाओं के साथ क्रिकेट पर चर्चा की। चोट के बाद वापसी कर रहे दीपक चाहर ने भी फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। टीम के साथ सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, टिम डेविड और कप्तान

हार्दिक पांड्या भी धर्मशाला पहुंचे हैं। मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला 14 मई को शाम 7:30 बजे पंजाब किंग्स से होगा। मुंबई के लिए अब खोने को कुछ नहीं है, लेकिन वे पंजाब किंग्स का खेल बिगाड़कर सीजन का अंत सम्मानजनक स्थिति में करना चाहेंगे। धर्मशाला की तेज पिच पर मुंबई के जसप्रीत बुमराह और गेराल्ड कोएत्जी पंजाब के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ले सकते हैं। क्रिकेट जानकारों का मानना है कि दबाव मुक्त होकर खेल रहे रोहित शर्मा 14 मई को धर्मशाला की छोटी बाउंड्री का फायदा उठाकर छक्कों की बरसात कर सकते हैं। मैच के लिए टिकटों की मांग इतनी अधिक है कि स्टैंड्स के अभी से 'हाउसफुल' होने के संकेत हैं।

फास्ट न्यूज

साउथ एक्टर दिलीप राज का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली। साउथ के पॉपुलर एक्टर दिलीप राज का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। 47 साल के एक्टर के निधन का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया जा रहा है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, एक्टर को बेंगलुरु स्थित घर में सुबह सीने में तेज दर्द उठा था। परिवार द्वारा उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ दिनों पहले ही दिलीप राज गोवा ट्रिप पर गए थे।

अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी कहे जाने पर भड़कीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। साउथ एक्ट्रेस सीरत कपूर हाल ही में उन पर भद्दा कमेंट करने वाले एक शख्स पर भड़क गईं और फटकार लगा दी।

दरअसल, 8 मार्च को साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने 44वां जन्मदिन मनाया है। इस मौके पर सीरत ने उनके साथ एक्टर के ही प्राइवेट जेट में बैठे हुए एक तस्वीर शेयर कर कैप्शन में उन्हें बर्थडे विश किया। सीरत ने अल्लू को टैग भी किया था।

प्राइवेट जेट की वो तस्वीरें सुर्खियों में रहीं थीं। अब हाल ही में सीरत ने अपनी सिंगल तस्वीर शेयर की, जिसमें वो बोल्ड लुक में दिखी हैं। जहां कई सोशल मीडिया यूजर्स तस्वीर की तारीफ कर रहे थे, वहीं एक शख्स ने लिखा, अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी।

इस भद्दे कमेंट के साथ उस शक्स ने एक इमोजी भी कमेंट किया, जिसमें आंखों में दिल बना हुआ था।

नीट परीक्षा रद्द होने पर भड़के कमल हासन

नई दिल्ली। 3 मई को होने वाली नीज की परीक्षा रद्द कर दी गई है। इससे देश भर में आक्रोश है। ये फैसला पेपर लीक होने के आरोपों के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने लिया है। उनका मानना है कि इस फैसले से 22 लाख छात्रों की मेहनत बर्बाद हुई है। कमल हासन ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'NEET प्रवेश परीक्षा के लिए दिन-रात मेहनत और सपने देखने वाले 22 लाख छात्रों की उम्मीदें आपराधिक साजिशों ने तोड़ दी हैं।

सीएम थलापति विजय ने तृषा के लिए बदले नियम

एक्ट्रेस की फिल्म करप्पू के मॉर्निंग शो रखने की स्पेशल परमिशन दी

मुंबई, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद थलापति विजय ने रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृषा के लिए फिल्म इंडस्ट्री के एक बड़े नियम में बदलाव किया है। विजय ने तृषा कृष्णन की फिल्म करप्पू के लिए सुबह 9 बजे की स्क्रीनिंग रखने की स्पेशल परमिशन दी है, जबकि अब तक साउथ में इस पर प्रतिबंध था। फिल्म करप्पू के प्रोडक्शन हाउस ड्रीम वॉरियर पिक्चर ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसकी जानकारी देते हुए थलापति विजय का शुक्रिया अदा किया है। पोस्ट में लिखा गया है, स्पेशल थैंक्स हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री थिरु जोसेफ विजय, करप्पू को सुबह 9 बजे की स्पेशल परमिशन देने के लिए। फिल्म करप्पू 14 मई को रिलीज हो रही है। पहले दिन से ही इसके सुबह 9 बजे के शो शुरू हो जाएंगे। फिल्म में तृषा कृष्ण और सूर्या लीड रोल

में हैं। साल 2023 में फिल्म थुनिवू रिलीज हुई थी। इस फिल्म के सुबह साढ़े 4 बजे के मॉर्निंग शो में भगदड़ मच गई थी, जिसमें एक फैन का निधन हो गया था। इसके बाद से ही एहतियातन तमिलनाडु सरकार ने सुरक्षा कारणों से सुबह के शोज पर प्रतिबंध लगा दिया था। बता दें कि थलापति विजय का ये फैसला देना इसलिए भी सबका ध्यान खींच रहा है क्योंकि उनका नाम लंबे समय से तृषा कृष्णन से जुड़ रहा है। दोनों ने रिश्ते पर आधिकारिक तौर पर मुहर नहीं लगाई है।

उर्वशी का लुक भी सामने आया, 40 साल पुरानी फिल्म दिखाई जाएगी, चप्पल पहनना, पर्स रखना मना

कांस-2026 शुरू, आलिया ओपनिंग सेरेमनी में पहुंचीं

मुंबई, एजेंसी

दुनियाभर का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12 मई से शुरू हो चुका है। फेस्टिवल 23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में जारी रहेगा। लोरियल पेरिस की तरफ से कांस पहुंचीं आलिया भट्ट के अब तक दो लुक सामने आ चुके हैं। फेस्टिवल के आगाज के साथ जानिए, इस साल भारत के कौन से सेलेब्स रेड कार्पेट पर पहुंचेंगे, कौन सी फिल्में दिखाई जाएंगी, भारत की कांस में क्या अचीवमेंट्स हैं और क्या है। लगान बना चुके आशुतोष गोवारिकल इस साल भारत के ऑफिशियल डेलिगेट बनकर कांस का हिस्सा बनेंगे। 2021 और 2024 में कांस के दो अवॉर्ड ग्रैंड प्री और गोल्डन आई अवॉर्ड जीत चुकीं पायल कपाड़िया इस

साल ज्यूरी बनकर कांस में शामिल हो रही हैं।

66 आलिया भट्ट और उर्वशी रौतेला के अलावा इस साल भारत से ऐश्वर्या राय, मौनी रॉय, अदिति राव हैदरी और एहसास चन्ना कांस के रेड कार्पेट में पहुंचेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का दौरे पर पड़ा असर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में जनता से कम-से-कम ट्रेवल करने और कम तेल-ईंधन इस्तेमाल करने की अपील की है। यही वजह रही कि महाराष्ट्र का सांस्कृतिक विभाग अब कांस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा नहीं ले रहा है। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने बताया कि पीएम मोदी की अपील के बाद विभाग का प्रतिनिधिमंडल अब कांस नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग में वाहनों का इस्तेमाल कम किया जाएगा और जरूरी बैठकों को वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

कांस 2026 में छाएगा भारत का रीजनल सिनेमा

कांस में इंडो-अमेरिकन फिल्म बॉम्बे स्टोरीज की स्क्रीनिंग भी कांस में होगी। ये फिल्म मंटो के उपन्यास पर बनी है, जो 1930 के दशक की बॉम्बे में रहनेवालीं सेक्स वर्कर्स की कहानी दिखाती है। फिल्म को राहत शाह काजमी ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एक्ट्रेस मौनी रॉय कांस में मौजूद रहेंगी।

मस्क-कुक समेत 17 सीईओ साथ ले गए, 9 लाख करोड़ की बोइंग विमान डील संभव

ट्रम्प 8 साल बाद चीन दौरे पर रवाना

वॉशिंगटन डीसी/बीजिंग, एजेंसी

ईरान जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मंगलवार रात चीन दौरे पर रवाना हुए। ट्रम्प 13 से 15 मई तक बीजिंग में रहेंगे। यह 2017 के बाद उनका पहला चीन दौरा होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रम्प के बीच गुरुवार और शुक्रवार को अलग-अलग दौर की बातचीत होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, ताइवान, रेयर अर्थ मिनरल्स, AI और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। ट्रम्प के साथ इलॉन मस्क, एप्पल CEO टिम कुक और बोइंग CEO समेत 17 बड़े अमेरिकी कारोबारी भी गए हैं। हालांकि चिप कंपनी एनवीडिया के CEO जेनसन हुआंग इस दौरे में शामिल नहीं होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरे में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बोइंग विमान डील हो सकती है। चीन 500 बोइंग 737 MAX, 100 बोइंग 787 ड्रीमलाइन और कई 777X वाइडबॉडी विमान खरीद सकता है। अगर करार हुआ

तो यह इतिहास का सबसे बड़ा विमान सौदा होगा। व्हाइट हाउस के मुताबिक चीन दौरे के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग, डोनाल्ड ट्रम्प के सम्मान में भव्य स्टेट डिनर आयोजित करेंगे। चीन में इस तरह के स्टेट डिनर को बड़े कूटनीतिक सम्मान के तौर पर देखा जाता है। ऐसे कार्यक्रम आमतौर पर बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में आयोजित किए जाते हैं, जहां चीन का शीर्ष नेतृत्व विदेशी मेहमानों का स्वागत करता है। इसमें दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी, कारोबारी प्रतिनिधि और खास मेहमान शामिल होते हैं। डिप्लोमैटिक एक्सपर्ट्स के मुताबिक, चीन किसी विदेशी नेता को जितना बड़ा औपचारिक स्वागत देता है, उसे रिश्तों की अहमियत का संकेत माना जाता है।

ट्रम्प-जिनपिंग के बीच 4 अहम मुद्दों पर बातचीत संभव

1. ट्रेड टैरिफ विवाद

अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर अब भी बड़ा मुद्दा है। ट्रम्प पहले चीनी सामान पर भारी टैरिफ की चेतावनी दे चुके हैं। दोनों देश अब व्यापारिक तनाव कम करने पर बातचीत कर सकते हैं।

2. ताइवान और हथियार बिक्री

ताइवान को लेकर भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। ट्रम्प ने कहा है कि वह शी जिनपिंग से 11 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार पैकेज पर बात करेंगे। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और अमेरिकी हथियार बिक्री का लगातार विरोध करता रहा है।

3. रेयर अर्थ मिनरल्स और AI

रेयर अर्थ मिनरल्स इलेक्ट्रिक व्हीकल, चिप्स और डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बेहद अहम हैं। चीन दुनिया का सबसे बड़ा सप्लायर है, जबकि अमेरिका उसकी निर्भरता कम करना चाहता है। AI और सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी को लेकर भी दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो चुकी है।

4. सोयाबीन और कृषि व्यापार

चीन अमेरिकी किसानों के लिए बड़ा बाजार है। ट्रेड वॉर के बाद चीन ने अमेरिकी सोयाबीन खरीद घटाई थी। अब ट्रम्प प्रशासन कृषि निर्यात बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

तस्वीर 2017 में ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान चीन दौरे की है। ट्रम्प ने बीजिंग में फॉरबिडन सिटी का दौरा किया था।

ईरानी तेल खरीदने पर चीन का अमेरिका से विवाद

ईरान से तेल खरीद को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव बना हुआ है। ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि चीन बड़े पैमाने पर ईरानी तेल खरीदकर तेहरान को आर्थिक सहारा दे रहा है, जबकि चीन इसे अपनी ऊर्जा जरूरतों से जुड़ा मामला बता रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद चीन लंबे समय से ईरान से बड़े पैमाने पर तेल खरीदता रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चीन अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सस्ता तेल खरीदने की रणनीति अपनाता है।

हंतावायरस से 3 और यात्री संक्रमित हुए

अमेरिका, फ्रांस और स्पेन के रहने वाले, टोटल केस 9 हुए

वाशिंगटन, एजेंसी

हंतावायरस के संपर्क में आए 3 और लोगों में संक्रमण मिला है। इनमें एक अमेरिकी और एक फ्रांसीसी यात्री शामिल हैं, जो पहले अपने-अपने देश लौट चुके थे। वहीं, मैड्रिड में क्वारैंटाइन एक स्पेनिश नागरिक की शुरुआती रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। अब तक 3 यात्रियों की मौत हो चुकी है। 11 अप्रैल को एक बुजुर्ग डच यात्री की जहाज पर मौत हुई थी। उनकी पत्नी बाद में दक्षिण अफ्रीका में मृत मिलीं। 2 मई को एक जर्मन महिला की जहाज पर मौत हो गई। ये सभी यात्री 'MV हॉंडियस' नाम की उस क्रूज शिप से लौटे हैं, जहां वायरस के मामले सामने आए थे। यह जहाज स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में रुका था। WHO के मुताबिक जहाज से जुड़े हंतावायरस

के 9 केस कन्फर्म हो चुके हैं। WHO ने जहाज से लौटने वाले सभी लोगों के लिए 42 दिन आइसोलेशन की सिफारिश की है। हालांकि अमेरिकी CDC ने कहा कि वायरस का इंसान से इंसान में फैलना दुर्लभ है और इसे कोविड जैसी महामारी नहीं माना जाना चाहिए। इससे पहले सोमवार को हंतावायरस के संपर्क में आए 17 अमेरिकी यात्रियों को अमेरिका के नेब्रास्का मेडिकल सेंटर लाया गया। यहां उन्हें 42 दिनों तक निगरानी और क्वारिंटीन में रखा जाएगा।

बढ़त : इंपोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% करने का असर, ढट ने 3 दिन पहले कहा था- सोना न खरीदें

सोना ₹9,000 और चांदी ₹18,000 महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। बुधवार को जारी इस आदेश के बाद आज यानी 13 मई को सर्राफा बाजार में सोना 9 हजार और चांदी 22 हजार रुपए महंगी हो गई है। 10 ग्राम सोने का भाव 1.60 लाख रुपए और 1 किलो चांदी का भाव 2.87 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार ने सोने पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (AIDC) लगाया है। इस तरह कुल प्रभावी टैक्स 15% हो गया है। इससे पहले 2024 के बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने इंपोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% की थी। वहीं, इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है

कि टैक्स बढ़ने से तस्करी बढ़ सकती है। इससे पहले जब ड्यूटी कम की गई थी, तब स्मगलिंग में कमी आई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता ने कहा कि सरकार ने करंट अकाउंट डेफिसिट (चालू खाता घाटा) को काबू में रखने के लिए यह कदम उठाया है। पहले से ही ऊंची कीमतों के बीच यह फैसला मांग को प्रभावित कर सकता है। भारत में लोग सोना बहुत खरीदते हैं। हमारा देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। सोने की मांग को पूरा करने करने के लिए हमे इसे विदेश से मंगाना पड़ता है। इसके लिए डॉलर खर्च होते हैं। जब देश से ज्यादा पैसा बाहर जाने लगता है, तो देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है। इसी 'आयात' को कम करने के लिए सरकार ने टैक्स के नियम कड़े किए हैं। कीमतों में बढ़ोतरी: जब सरकार टैक्स या ड्यूटी बढ़ाती है, तो सोने की 'लैंडिंग कॉस्ट' यानी भारत पहुंचने की कीमत बढ़ जाती है। यानी सोना पहले के मुकाबले महंगा मिलेगा।

पीएम ने दो बार कहा- एक साल तक सोना न खरीदें

पीएम मोदी लगातार दो दिन (10 और 11 मई को) देशवासियों से 1 साल तक सोना न खरीदने की अपील कर चुके हैं। पीएम ने कहा था... एक समय था, जब संकट आने पर देशहित में लोग सोना दान दे देते थे। आज दान की जरूरत नहीं है, लेकिन देशहित में हमें यह तय करना होगा कि सालभर तक घर में कोई कार्यक्रम हो, हम सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए हमारी देशभक्ति हमें चुनौती दे रही है और हमें यह स्वीकार करके विदेशी मुद्रा बचानी होगी।

नॉलेज पार्ट: सोने-चांदी पर आईजीएसटी के नियमों में बदलाव

सरकार के नए नियम के बाद अब बैंकों को सोना इंपोर्ट करते ही तुरंत 3% IGST चुकाना पड़ रहा है, जिससे उनका करोड़ों रुपया एडवांस टैक्स के रूप में ब्लॉक हो गया है। पहले बैंक 'बॉन्डेड वेयरहाउस' की सुविधा का फायदा उठाकर यह टैक्स तब देते थे जब सोना आगे बिकता था, लेकिन अब तुरंत भुगतान करने की शर्त ने बैंकों के कामकाजी पूंजी पर भारी दबाव डाल दिया है। पैसे फंसने और कैश फ्लो की इसी समस्या के कारण बैंकों ने फिलहाल सोने का आयात रोक दिया है।

तीन पॉइंट में इस फैसले को समझें...

1. क्या बदलाव हुए?

- **नया टैक्स:** बीते दिनों सोने-चांदी के आयात पर 3% IGST लगने के नियम बदले थे। इसके बाद आज सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी।
- **बैंकों स्थिति:** IGST लगने के बाद बैंक इस बात को लेकर उलझन में थे कि यह टैक्स कैसे भरना है, इसलिए उन्होंने करीब एक महीने तक सोना मंगाना ही बंद कर दिया।
- **नतीजा:** अप्रैल में होने वाला आयात मात्र 15 टन रहने का अनुमान है, जो कोविड काल को छोड़कर पिछले तीन दशकों में किसी भी महीने के लिए सबसे कम है।

शेयर बाजार में मामूली रिकवरी, सेंसेक्स 49 अंक चढ़ा, मेटल शेयरों में खरीदारी बढ़ी

एक दिन पहले बाजार में आई थी बड़ी गिरावट

मुंबई, एजेंसी

लगातार कई कारोबारी सत्रों से दबाव झेल रहे घरेलू शेयर बाजार में बुधवार, 13 मई को हल्की रिकवरी देखने को मिली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 49 अंक की बढ़त के साथ 74,608 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 33 अंक चढ़कर 23,412 पर पहुंच गया। दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल बना रहा, लेकिन आखिरी कारोबारी घंटों में आई खरीदारी से सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आज के कारोबार में मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। स्टील और माइनिंग कंपनियों के शेयरों में निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई, जिससे मेटल इंडेक्स मजबूत हुआ। इसके विपरीत सूचना प्रौद्योगिकी (IT) सेक्टर में दबाव बना रहा। कई बड़ी IT कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के चलते यह सेक्टर दिनभर कमजोर बना रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित संकेतों और विदेशी निवेशकों की सतर्क रणनीति के कारण घरेलू बाजार में निवेशक फिलहाल संभलकर निवेश कर रहे हैं। हालांकि कुछ सेक्टरों में वैल्यू बाइंग के चलते बाजार को सपोर्ट मिला। इससे पहले मंगलवार, 12 मई को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। सेंसेक्स 1,456 अंक टूटकर 74,559 के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 436 अंक की गिरावट के साथ 23,379 पर आ गया था।

74,608 पर बंद हुआ 49 अंक चढ़कर 13 मई को सेंसेक्स

23,412 के स्तर पर बंद हुआ निफ्टी 33 अंक की बढ़त के साथ

कल सेंसेक्स 1,456 अंक गिरकर 74,559 के स्तर पर बंद हुआ

शेयर बाजार में कल 12 मई को गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1,456 अंक गिरकर 74,559 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 436 अंक की गिरावट रही, ये 23,379 के स्तर पर बंद हुआ। लगातार चौथे कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट आई है। चार दिन में सेंसेक्स करीब 3,500 अंक और निफ्टी लगभग 1,000 अंक गिरा है। यह लगातार चौथा कारोबारी दिन था जब बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। लगातार गिरावट के कारण निवेशकों की चिंता बढ़ी हुई है।

नीट पेपर लीक पर आप छात्र विंग का प्रदर्शन

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक युवाओं के भविष्य पर हमला : अनित रावत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की छात्र विंग ASAP (Association of Students for Alternative Politics) द्वारा बुधवार को NEET 2026 पेपर लीक मामले के विरोध में राजधानी लखनऊ के जीपीओ कार्यालय, हजरतगंज के निकट जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्र-युवा कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परीक्षा प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार और पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। इस दौरान आप छात्रविंग के प्रदेश महासचिव अनित रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा गया। पुलिस द्वारा प्रदर्शन रोकने की कोशिश के दौरान कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। इस अवसर पर छात्रविंग के प्रदेश महासचिव अनित रावत ने कहा कि NEET जैसी देश की सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक होना केवल एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि करोड़ों छात्रों के सपनों और भविष्य पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र दिन-रात मेहनत करके परीक्षा की तैयारी करते हैं, अभिभावक अपनी जीवनभर की कमाई बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार शिक्षा माफियाओं के सामने पूरी तरह नतमस्तक दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में लगातार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि केंद्र और राज्य सरकारें परीक्षा प्रणाली की गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने में पूरी तरह असफल रही हैं। भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही, ऊपर से जो परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं उनमें भी भ्रष्टाचार और धांधली का बोलबाला है। अनित रावत ने कहा कि आज देश का युवा गुस्से में है क्योंकि उसकी मेहनत का कोई मूल्य नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि NEET पेपर लीक ने लाखों छात्रों का मानसिक संतुलन बिगाड़ दिया है।

- माजपा सरकार शिक्षा माफियाओं के सामने नतमस्तकः अनित रावत
- करोड़ों छात्रों की मेहनत और अभिभावकों की कमाई पर पानी फेर रही है केंद्र सरकारः अनित रावत
- नीट परीक्षा को लेकर छात्रों में भारी आक्रोश, सरकार युवाओं का भरोसा लगातार तोड़ रही हैः अनित रावत
- पेपर लीक के दोषियों पर गैंगस्टर और एनएसए जैसी सख्त कार्रवाई हो, छात्रों को न्याय दे सरकारः अनित रावत
- दोषियों पर कार्रवाई और परीक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो पूरे प्रदेश में आंदोलन तेज किया जाएगाः अनित रावत

अनित रावत ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जब छात्र अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से सड़कों पर उतरते हैं तो सरकार पुलिस के जरिए उनकी आवाज दबाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि यह युवाओं की आवाज को कुचलने का प्रयास है जिसे आम आदमी पार्टी कभी सफल नहीं होने देगी।

ईंधन बचत और स्वदेशी अपनाने की मुहिम को योगेंद्र उपाध्याय का समर्थन, वर्चुअल मीटिंग पर जोर

प्रधानमंत्री की पहल पर एक्शन में यूपी सरकार, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लिया ईंधन बचत का संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में ईंधन बचत एवं स्वदेशी अपनाने के आवाहन का स्वागत करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच देश को मजबूती प्रदान करेगी। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री एवं अधिकारी भी इस मुहिम को अपनाते हुए ईंधन की खपत कम करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने स्वयं सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन के उपयोग और स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है। उन्होंने आगे कहा कि अनावश्यक ईंधन खपत को रोकने के उद्देश्य से आगामी अधिकांश बैठकों और कार्यक्रमों को वर्चुअल माध्यम से संचालित किया जाएगा। केवल अत्यंत आवश्यक कार्यक्रमों में ही भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, कार्यकर्ताओं से भी अपील की गई है कि वे ईंधन की बचत के लिए ई-वाहनों तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिकाधिक उपयोग करें। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि वे पहले से ही सरकारी प्रोटोकॉल के अंतर्गत सीमित वाहनों के उपयोग के पक्षधर रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के आवाहन के बाद उन्होंने इसे और सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि "वर्क फ्रॉम होम" और वर्चुअल मीटिंग्स को प्राथमिकता देकर न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि समय और संसाधनों का भी बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में विदेशी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है, ऐसे में स्वदेशी अपनाना न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि देश की आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री की इस पहल को देशहित में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए आमजन से भी इसमें सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित में ईंधन और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

- वैश्विक संकट के बीच स्वदेशी और ईंधन बचत ही समाधानः मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

फास्ट न्यूज़

होजरी कारोबारी का मर्डर करने वाले रेस्टोरेंट संचालक का एनकाउंटर

कानपुर। फीलखाना में होजरी कारोबारी की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी की गंगा बैराज के पास पुलिस से मुठभेड़ हो गई। खुद को घिरा देख हत्यारोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी। पुलिस ने घायल हत्यारोपी को गिरफ्तार कर हैलट अस्पताल में भर्ती कराया।

शोएब लग्जरी लाइफ स्टाइल दिखाकर हिंदू लड़कियों को फंसाता था

लखनऊ। लखनऊ के सैरपुर इलाके में पुलिस ने शोएब अख्तर नामक युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर हिंदू नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर युवतियों को निशाना बनाने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धर्मांतरण और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस की जांच में आया है कि लग्जरी लाइफ स्टाइल दिखाकर लड़कियों को फंसाता था। उन्हें स्कॉर्पियो आदि लग्जरी कारों से घूमाता था। लड़कियों के साथ के उसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। पुलिस ने उन्हें सबूत के तौर पर शामिल गया है। शोएब अख्तर एक नाई की दुकान चलाता था। आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर खुद को 'सौरभ सिंह' बताकर हिंदू लड़कियों से दोस्ती करता था।

सिर पर फट्टा मारकर युवक की हत्या

लखनऊ। लखनऊ में एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव मंगलवार सुबह पार्क में मिला। उसके सिर और चेहरे पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। भंडारे में प्रसाद खाने जाने को लेकर विवाद में हत्या हुई है। पुलिस ने आरोपी हिरासत में ले लिया है। घटना बाजार खाला थाना क्षेत्र के अग्रसेन पार्क में हुई। इंस्पेक्टर बाजार खाला बृजेश सिंह ने बताया मृतक की पहचान पांडे का तालाब बगिया निवासी देवेंद्र कुमार (43) के रूप में हुई है।

आयुष मंत्री ने 09 मण्डलों की समीक्षा बैठक की

जनहित में चिकित्सक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करें

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एमओएस) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने आज यहाँ योजना भवन के सभागार में प्रदेश के झांसी, चित्रकूट, अलीगढ़, अगरा, मैरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, देवीपाटन एवं बरेली मण्डल के अंतर्गत जिलों के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक, यूनानी अधिकारी एवं जिला होम्योपैथिक अधिकारी के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी मण्डलीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आयुष अस्पतालों में चिकित्सकों की कार्यस्थल पर ससमय उपस्थिति सुनिश्चित की जाय एवं ओ0पी0डी0 में आये हुए मरीजों का समुचित उपचार किया जायें। डॉ. दयालु ने अधिकारियों को सख्त रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि अस्पतालों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। जहां पर दवाओं की कमी हो उसकी सूचना प्राथमिकता के आधार पर दी जाये, ताकि दवाओं को तत्काल उपलब्ध कराया जाए और रोगियों का समय से पूरा उपचार किया जा सके। उन्होंने कहा कि अस्पतालों मे मांग और आवश्यकता के अनुसार दवाइयां खरीदी जाये, जो दवाइयाँ कॉमन हैं और उनकी अधिक मांग है उनकों प्राथमिकता के आधार पर खरीदें ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए। आयुष मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी चिकित्सक प्रयास करें कि ओ0पी0डी0 में आए मरीजों को बाहर की दवा न लिखी जायें।

डंपर ने उड़ाईं गाड़ियां, युवक का पैर कटा

4 घायल, 2 लोगों की हालत गंभीर, सरकारी टीचर का पैर टूटा

- डंपर से एक बाइक बगल से भी टकरा गई थी। उसके दोनों सवार बच गए।
- युवक के पैर को पुलिस ने डिवाइडर से हटाकर एक पीली पॉलिथीन के अंदर भरा।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बुधवार सुबह बेकाबू डंपर ने 4 गाड़ियों को रौंद दिया। सवारी बैठा रहे ई-ऑटो, सीएनजी ऑटो, एक कार और एक बाइक को कुचल दिया। सभी गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में इन गाड़ियों के ड्राइवर समेत 4 लोग बुरी तरह घायल हो गए। एक युवक का बायां पैर कटकर डिवाइडर पर चिपक गया। स्कूल जा रही एक सरकारी टीचर के दाहिने पैर में चोट आई है। हादसा मड़ियांव थाने से करीब 200 मीटर दूरी पर चंद्राढाल पर हुआ। लखनऊ-सीतापुर रोड की सर्विस लेन पर फ्लाईओवर के नीचे कुछ ऑटो वाले सवारियां बैठा रहे थे। वहीं पर चाय-पानी के दुकानें हैं। सुबह करीब 7 बजे एक डंपर मेन रोड को छोड़कर सर्विस लेन में घुस गया।

सरकारी टीचर के पिता थाने में एसआई

सरकारी टीचर निधि का इस हादसे में दाहिना पैर टूट गया है। उनकी तैनाती सीतापुर में है। पति लखीमपुर खीरी में सरकारी टीचर हैं। उनको 2 महीने पहले बेटी हुई है। निधि के पिता अनिल सिंह चिनहट थाने में SI के तौर पर तैनात हैं।

प्रत्यक्षदर्शी पवन कुमार ने बताया- डंपर इतनी तेजी से आया कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। डंपर बाइक और ऑटो को रौंदते हुए चला गया। ऑटो में बैठे 3 लोग, बाइक पर सवार युवक और कुछ लोग जो गाड़ियां रेरकर बाहर खड़े थे, सभी डंपर की चपेट में आ गए।

एक युवक का बायां पैर कटकर अलग हो गया। उसका बहुत सारा खून सड़क पर फैल गया था।

घटनास्थल पर बिखरे वाहन के पुर्जे और खून

जहां पर हादसा हुआ, वहां हमेशा पैदल चलने वालों और ऑटो वालों की मौजूदगी रहती है। यह मुख्य रोड के किनारे पतली रोड है। डंपर तेज स्पीड में मुख्य सड़क से इसी रोड पर घुस आया। हादसा जब हुआ तो किसी के पास बचने का कोई मौका नहीं था। हादसे के बाद सबसे पहले डंपर का खलासी उतरकर भाग गया। इसके बाद ड्राइवर भी खलासी की साइड से ही भागा।

जैसे ही जानकारी हुई, भागकर मौके पर पहुंचे

पुलिस के साथ बचाव कार्य में लगे नबी हसन ने बताया- जैसे ही जानकारी मिली तो हम सभी भागकर मौके पर पहुंचे। चालक को झपकी आने या डंपर का ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ है। हादसे में ऑटो चालक, बाइक से जा रहा एक युवक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। करीब 1 दर्जन से ज्यादा लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। मड़ियांव थाना शिवानंद मिश्रा ने बताया- कि सुबह 7:15 बजे की सूचना है।

विद्युत तार चोरी के 11 आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में थाना जलालाबाद पुलिस ने बिजली के तार चोरी करने वाले एक गिरोह के 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए बिजली के तार और 2 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से दो बरेली के निवासी हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी चोरी के तार बेचने के लिए हीरानगर के पास पाल धर्मकांटे के पास आए हैं। इस सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर सभी 11 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास है। मदनापुर के अवर अभियंता ब्रजमोहन पांचाल ने 4 मई को थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि मदनापुर से जलालाबाद की ओर जाने वाली 33 केवी लाइन के लगभग 12 खंभों से डॉग कंडक्टर (बिजली के तार) और अन्य सामग्री चोरी की गई थी, और पांच खंभों को क्षतिग्रस्त किया गया था। जलालाबाद के अवर अभियंता जगदीश सिंह ने भी तार चोरी की एक अलग एफआईआर दर्ज कराई थी।

एएमयू टीचर के हत्यारोपी जुबैर को एसटीएफ ने मार गिराया

मेरठ में मुनीर गैंग के मेंबर का एनकाउंटर, एक लाख का इनामी, 24 मुकदमे दर्ज थे

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के टीचर के हत्यारोपी जुबैर को मेरठ में STF ने बुधवार तड़के 4 बजे मार गिराया। STF एसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया- उन्हें सूचना मिली थी कि जुबैर मेरठ में किसी की हत्या करने आया था। वह एक बंद फैक्ट्री में छिपा हुआ था और साथियों का इंतजार कर रहा था। सूचना पर STF ने जुबैर को घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में जुबैर के पेट और सीने में गोली लग गई। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। STF के मुताबिक, दोनों तरफ से 36 राउंड फायरिंग हुई। इसमें जुबैर ने 20 राउंड फायरिंग की। मुठभेड़ शहर से 12 किमी दूर अलीपुर थाना क्षेत्र में हुई। जुबैर मुनीर गैंग का मेंबर था। एसपी STF (प्रभारी, मेरठ यूनिट) बृजेश कुमार सिंह ने बताया- जुबैर ने 24 दिसंबर 2025 को साथियों के साथ मिलकर AMU में टीचर दानिश अली की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसी मामले में पुलिस ने उस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। आज मुठभेड़ में वह मारा गया। जुबैर के पास से एक बाइक, 32 बोर की दो पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। जुबैर अलीगढ़ के थाना बरला क्षेत्र के नौशा गांव का रहने वाला था। इस समय वह शाहीन बाग, दिल्ली में रहता था। उसने 2015 में अपराध की दुनिया में कदम रखा था। 2017 में वह मुनीर गैंग से जुड़ गया। इसके बाद उसने अपना अलग गैंग खड़ा कर लिया और हथियारों की तस्करी करने लगा। उसके खिलाफ अलीगढ़ और दिल्ली में हत्या और लूट जैसी धाराओं में 24 मुकदमे दर्ज थे। 24 दिसंबर 2025 की रात 8.45 बजे AMU के टीचर राव दानिश अली अपने दोस्तों के साथ कैनेडी हॉल पार्क में टहलकर निकले थे। मौलाना आजाद लाइब्रेरी कैंटीन के पास नकाबपोशों ने स्कूटी रोकी। उनसे कहा 'अब तो पहचानोगे, मैं कौन हूं।' इतना कहते हुए बदमाश ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं और भाग निकले। गोली दानिश के सिर में लगी थी। दोस्तों ने उनके छोटे भाई राव फराज अली को सूचना दी। घटनास्थल के पास ही सुलेमान हॉल में मौजूद फराज अली कुछ ही समय में मौके पर पहुंचे और लहूलुहान भाई को मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे।

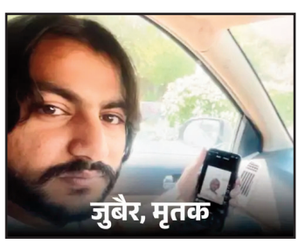

मुठभेड़ : 20 मिनट तक 15 राउंड फायरिंग की, दरोगा और 2 सिपाही घायल, दो बदमाश भागे

27 लाख लूटने वाले जुबैर-समीर एनकाउंटर में ढेर

तमसा संकेत, एजेंसी

- फरार चल रहे समीर और जुबैर की तलाश में 6 मई से पुलिस लगी थी।
- पुलिसकर्मी संदीप मलिक को भी गोली लगी है। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद में कैश वैन से 27 लाख लूटने वाले दो 2 बदमाश समीर और जुबैर को मंगलवार रात पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। दोनों पर एक-एक लाख का इनाम था। जुबैर लूटकांड का मास्टरमाइंड था। यह मुठभेड़ वेव सिटी थाना क्षेत्र में हुई। DCP सिटी धवल जायसवाल ने बताया, पुलिस को सूचना मिली कि रात में वेव सिटी क्षेत्र में बदमाश किसी घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की, तभी संदिग्ध स्विफ्ट कार दिखाई दी। पुलिस ने जब गाड़ी रुकवाने की कोशिश की, तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। एक सब इंस्पेक्टर और दो कॉन्स्टेबल गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की तो बदमाश जंगल में कार छोड़कर पैदल भागने लगे। दोनों तरफ से 20 मिनट में करीब 15 से ज्यादा राउंड फायर हुए, जिसमें दो बदमाश मारे गए हैं। जबकि 2 अन्य फरार हो गए हैं। समीर के 2 गोली लगीं। जबकि जुबैर के सीने में एक गोली लगी। वहीं फरार बदमाशों की तलाश में 5 टीम में लगाई गई हैं। 6 बदमाशों ने 6 मई को कैश वैन के ड्राइवर को बंधक बनाकर 27 लाख रुपए लूट लिए थे। बाद में घटनास्थल से करीब 8 किलोमीटर दूर वैन को मसूरी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर छोड़कर भाग गए थे। बदमाशों ने सबूत मिटाने के लिए कैश वैन में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर को कुल्हाड़ी से तोड़ दिया था।

बांस-बल्ली की दुकान चलाता था जुबैर

डकैती का मास्टरमाइंड जुबैर विजयनगर में बांस-बल्ली की दुकान चलाता था। उसका पिता भी इसी दुकान पर रहता है, जबकि लूट में शामिल जुबैर का भाई शोएब कपडों की फेरी और पैठ बाजार में दुकान लगाता है। दोनों भाइयों ने कैश वैन में डकैती के लिए पड़ोसी फिरोज को शामिल किया था। फिरोज दुकानों पर कॉस्मेटिक का सामान आपूर्ति करता है। वहीं, पकड़े गए मोहम्मद कैफ का भाई समीर कोई काम नहीं करता था।

"पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ ने बताया, 4 बदमाश स्विफ्ट कार से आए थे। समीर और जुबैर के पास से लूटे गए 9 लाख 10 हजार रुपए कैश बरामद हुए हैं। पुलिस ने मौके से दो पिस्टल, दो तमंचे और लूट में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार भी बरामद की है। दोनों बदमाश गाजियाबाद के विजयनगर इलाके के रहने वाले थे। घायलों को अस्पताल भेजा गया है।"

पृष्ठ 01 का शेष...

38 की उम्र में...

डॉक्टर्स के मुताबिक, वो फेफड़े की गंभीर बीमारी पल्मोनरी एम्बोलिज्म की चपेट में थे। इसमें खून का थक्का फेफड़ों की नसों में फंसकर ब्लड सर्कुलेशन को रोक देता है। प्रतीक, मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। साधना गुप्ता की पहली शादी 1986 में चंद्रप्रकाश गुप्ता से हुई थी। 1987 में प्रतीक का जन्म हुआ। 1990 में चंद्र प्रकाश गुप्ता और साधना का तलाक हो गया। इसी दौरान साधना और मुलायम की करीबी हो गईं। 2003 में मुलायम सिंह ने साधना गुप्ता से शादी कर ली और सार्वजनिक तौर पर प्रतीक को बेटे का हक दिया था। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव, प्रतीक यादव के घर पहुंचे। उन्होंने कहा- सुबह करीब 6:45 बजे सूचना मिली। स्वास्थ्य की सूचना पहले थी, लेकिन ये आशंका नहीं थी कि इस प्रकार की घटना हो जाएगी। मेदांता में भर्ती थे, सलाह लेकर डिस्चार्ज भी हुए थे। प्रतीक यादव के घर पहुंचे पंडित महेंद्र शर्मा ने बताया कि पूजा के लिए बुलाया गया है। परिजनों से बात करने के बाद अंतिम संस्कार का समय बता पाएंगे। अब तक की जानकारी के हिसाब से अंतिम संस्कार आज ही होगा।

विजय सरकार...

विजय ने राज्यपाल से लगातार दूसरे दिन मुलाकात की। राज्यपाल ने फिर 118 विधायकों का समर्थन दिखाने को कहा। विजय थोड़ा समय मांगकर वापस लौट गए। विजय की पार्टी TVK ने VCK से समर्थन मिलने का दावा किया। शाम को विजय लगातार तीसरे दिन फिर गवर्नर के पास पहुंचे, लेकिन देर रात तक VCK ने समर्थन देने की पुष्टि नहीं की। मामला फंस गया। शपथ फिर टल गई। IUML और VCK ने TVK को समर्थन दिया। दोनों पार्टियां पहले समर्थन देने से इनकार कर रही थीं। इसके कारण 7 मई और 9 मई को विजय की शपथ टल गई थी। विजय के हजारों फैन चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम से निराश लौट गए थे। इनके समर्थन से अब विधायकों की संख्या 121 हो गई है। बहुमत 118 से 3 ज्यादा। TVK चीफ विजय तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री बने। इस दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने विजय से फोन पर बात की। CM बनते ही विजय ने 200 यूनिट फ्री बिजली देने, महिला सुरक्षा दल और एंटी ड्रग्स स्क्वॉड बनाने के आदेश दिए। CM विजय ने 717 शराब की दुकानें बंद करने का आदेश जारी किया। AIADMK के एक गुट ने TVK को समर्थन देने का ऐलान किया। TVK विधायक आर श्रीनिवास सेतुपति को मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। चेन्नई में BJP नेता विनोज पी सेल्वम ने कहा कि TVK को जनता से अच्छी संख्या में सीटें मिली हैं, जिसे एक तरह का जनादेश माना जा सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट जनादेश नहीं है कि विजय अगले पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहें और राज्य का नेतृत्व करें। उन्होंने चिंता जताई कि विजय ने अब उन पार्टियों से हाथ मिला लिया है, जिनका वह पहले विरोध करते थे, खासकर तब जब उन्होंने खुद को वंशवाद के खिलाफ बताया था। सेल्वम ने कहा कि विजय को थोड़ा समय लेकर हालात का आकलन करना चाहिए और जनता से किए गए वादों को पूरा करना शुरू करना चाहिए। इसके बाद ही तमिलनाडु में TVK के भविष्य का सही आकलन किया जा सकेगा। ट्रस्ट वोट के दौरान विपक्ष के नेता और DMK के उदयनिधि स्टालिन ने TVK सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इंस्टाग्राम Reel के जरिए नहीं, बल्कि Real गवर्नेंस करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटें नहीं हैं।

सरकार ने 14...

सरकार के इस फैसले से देशभर के करोड़ों किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। कैबिनेट मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि धान की नई MSP 2441 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 72 रुपए अधिक है। वहीं तुअर दाल की MSP में सबसे ज्यादा 450 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। सरकार का कहना है कि MSP बढ़ाने का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना और खेती को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। हर साल खरीफ और रबी सीजन से पहले केंद्र सरकार Commission for Agricultural Costs and Prices यानी CACP की सिफारिशों के आधार पर MSP तय करती है।

नीट-यूजी...

नीट-2026 पेपर लीक मामले में जमवारामगढ़ (जयपुर) के दो भाइयों मांगीलाल बिवाल और दिनेश बिवाल को पकड़ा गया है। पुलिस ने उनके घर में रेड भी डाली थी। दोनों भाइयों ने 26-27 अप्रैल को गुरुग्राम (हरियाणा) के एक डॉक्टर से कथित रूप से 30 लाख रुपए में पेपर खरीदा था। NEET (UG) पेपर लीक मामले में राजस्थान की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की टीम ने गुरुग्राम से एक BAMS स्टूडेंट को हिरासत में लिया है। पकड़ा गया युवक फर्रुखनगर इलाके के खुरमपुर गांव का रहने वाला यश है। पुलिस टीम को शक है कि यश पेपर लीक नेटवर्क का हिस्सा है। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने NEET- 2026 परीक्षा का पेपर लीक होने और परीक्षा रद्द होने पर माफी मांगी है। उन्होंने कहा- पिछले साल और इस साल भी NEET का पेपर जैसे प्रेस से चोरी हुआ या कहीं और से भी चोरी हुआ।

सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ एफआईआर की मांग

ब्राह्मण समाज ने आपत्तिजनक बयान पर दिया प्रार्थना पत्र, बोले- पार्टी से निकालें

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में ब्राह्मण समाज ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। समाज के प्रदेश महामंत्री हरिशरण वाजपेयी ने अधिवक्ता राजेश अवस्थी के साथ सदर थाने में प्रार्थना पत्र दिया। हरिशरण वाजपेयी और राजेश अवस्थी ने बताया कि 12 मई 2026 को राजकुमार भाटी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्राह्मणों को लेकर बयान दिया था। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए ब्राह्मणों की तुलना वैश्या से की थी। इस सार्वजनिक बयान से ब्राह्मण समाज को गहरा आघात लगा है। पदाधिकारियों के अनुसार, भाटी के शब्दों से समाज में शत्रुता और आक्रोश फैल गया है। ब्राह्मण समाज ने अपने कार्यालय में इस क्लिप को सुना, जिससे सभी की भावनाएं आहत हुई हैं। समाज ने तत्काल एफआईआर दर्ज करने और न्यायोचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। राजेश अवस्थी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से राजकुमार भाटी को पार्टी से निष्कासित करने की भी मांग की है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676